आदिवासी महिलाओं के लिए विशेष संघटक कार्यक्रम

2832. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आदिवासी महिलाओं के लिए विशेष शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है/शुरू करने का विचार रखती है;

(ख) क्या शिक्षा के अभाव की वजह से आदिवासी महिलाओं के शोषण से संबंधित मामले बड़ी संख्या में हैं;

(ग) क्या उपर्युक्त कार्यक्रम से कई प्रतिभावान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा; और

(घ) क्या सरकार इस दिशा में कोई प्रयास कर रही है?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी): (क) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय तीसरी पंचवर्षीय योजना से विभिन्न कक्षाओं में पढ़ रही अनुसूचित जनजाति की लड़कियों के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए लड़कियों के होस्टल निर्माण की वर्ष 1992-93 से एक से 5वीं कक्षा तक अनुसूचित जनजाति की लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शैक्षिक परिसर की योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। ये योजनाएं अनन्य रूप से अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए हैं।

(ख) इस प्रकार का कोई मामला इस मंत्रालय के ध्यान में नहीं आया है।

(ग) और (घ) शुरू किए गए कार्यक्रम मुख्यतः अनुसूचित जाति की महिलाओं के शैक्षिक विकास के लिए हैं। तथापि, जैसाकि ये कार्यक्रम अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को साक्षर बनाने के लिए मौलिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए हैं इसलिए ये कार्यक्रम अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को जीवन के शैक्षिक तथा आर्थिक क्षेत्रों में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने में भी लाभ पहुंचाएंगे।

Violent Attacks on Christian Community

2833. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem appearing in the "Outlook" dated June 22, 1998, under the heading "Soft target in Cross-wiress";

(b) if so, what are the details of the attacks on church-backed institutions and personnel during the last three years; and

(c) what action Government have taken to restore the confidence of the Christian Community which have been shaken on account of violent attacks on them and with what results?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI MANEKA GANDHI): (a) Yes, Sir.

(b) The details of attacks on church-oacked institutions and personnel during the last three years are furnished in the statement enclosed (*See below*).

(c) As soon as a complaint is received about attack on Christian community as well as other minority communities, the matter is referred to the State Government for taking appropriate action and also a report is called for, if necessary.

Statement

Incidents of attacks on Christian missionaries during the last three years

On 4th January, 1998, three unidentified anti social elements shot and injured Fr. William Topno of the R.C. Mission at Bandgaon, District West Singhbhum at his residence. He survived after immediate hospitalisation at Ranchi. A case No. 2198 dated 4th January, 1998 under section 223/224 IPC and 34/27 Arms Act was registered.

In Gujarat on 4th March, 1998, during the course of a 4-day "Ishu Mahotsav" organised by Christians at Polo Ground, a group of VHP workers started pelting stones disrupting the congregation and set ablaze a car. They were protesting against the alleged conversion of tribals. Navpura PS district Baroda registered a case under section 143 IPC and 135 of